International Journal of Information Movement Vol.6 Issue V (September 2021)
Website: www.ijim.in ISSN: 2456-0553 (online) Pages 1-3

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) व कोविड 19

कप्तान
एसिस्टेंट प्रोफेसर
लक्ष्मी बाई कॉलेज
दिल्ली विश्वविद्यालय
अशोक विहार–।।।
दिल्ली–110052

सार. कॉरोना का भारत के सभी वर्गो पर प्रभाव पड़ा। जैसे– छात्रों, निजी कम्पनियाँ, मजदूरों पर परन्तु मजदूर वर्ग इसे पर इसका प्रभाव सबसे ज्यादा पड़ा। भारत ने इसके कल्याण के लिए अनेक प्रयास कर रहा है जैसे– खाद्य उपलब्ध कराना, परन्तु इनमें मनरेगा सबसे महत्वपूर्ण है। इससे अनेक मजदूरों का लाभ भी हुआ है। परन्तु सरकार को इस दिशा में और भी काम करने की जरूरत है।

1.0 भूमिका

2019 से विश्व करोना से ग्रस्त था। भारत में यह मार्च 2020 में प्रवेश किया और भारत में यह मार्च से लेकर अब तक इसका प्रभाव रहा। इसके कारण सभी काम–धन्धे बन्द हो गये जिसके कारण अनेक मजदूर बेरोजगार हो गये। अनेक व्यक्ति शहर से गांव की ओर पलायन हो गये। व अनेक व्यक्ति सड़क दुर्घटना में मारे गये। अनेक व्यक्ति भूख से मर गये। भारत सरकार व राज्य सरकार ने इसके कल्याण के लिए अनेक कार्यक्रम चलाकर इनका उद्धार करने का परियास किया। इसमें मनरेगा सबसे महत्वपूर्ण रोजगार योजना है। जो व्यक्तियों को 100 दिन व पहाड़ी व रेगिस्तान क्षेत्र में 150 दिन का रोजगार देती है। मनरेगा काफी कामगार योजना रही है।

1.1 मनरेगा का इतिहास

1991 में PV नरसिंह राव की सरकार ने (Pilot Scheme)[1] पाईलेट स्कीम के तहत गांव में रोजगार को बढ़ावा दिया गया था जिसमें आधारभूत ढांचे का विकास करना, खरीफ व रवी के बीच में किसानों को रोजगार देना, खाद्य सुरक्षा को बढ़ाव देना आदि उद्देश्य थे इस स्कीम के

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (NREGA) 2005[2] में भारत सरकार ने **राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (2005)** एक्ट पास किया फिर 2010 में इसका नाम **महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)** कर दिया गया तब से लेकर अब तक यह योजना चलती आ रही है। कॉरोना काल में इस योजना ने मजदूरों को काफी लाभ पहुंचाया है।

मनरेगा के प्रावधान

1. इस कानून से मजदूरों को काम का अधिकार एक कानूनी अधिकार मिल गया।
2. इस योजना को तहत 1/3% महिलाओं को रोजगार देना अनिवार्य है।
3. इसमें विकलांग की भागीदार बढ़ाने का प्रावधान है।
4. मजदूरी का भुगतान न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के तहत किया जायेगा।[3]
5. आवेदन जमा करने के 15 दिन के भीतर मजदूर रोजगार मांग सकता है।
6. पंचायतों के इस कार्य को अपनी निगरानी में रखेगी।
7. काम के स्थान पर मजदूरों के लिए बुनियादी सुविधा जैसे– पानी, प्राथमिक चिकित्सा का प्रावधान किया जायेगा।
8. इस योजना के तहत प्रत्येक व्यक्ति को 100 दिन का काम मिलेगा परन्तु रेगिस्तान व पहाड़ी वाले क्षेत्रों में 150 दिन का रोजगार मिलेगा।

2.0 मनरेगा की सफलता

1. मनरेगा संसार का सबसे बड़ा कल्याण कार्य योजना है।[4]
2. इस योजना से लाखों लोगों को गरीबी से मुक्ति मिली है।
3. इस योजना से महिला को आत्मनिर्भर किया गया।
4. कॉरोना काल में मजदूरों को अतिरिक्त धन दिया गया है।
5. मनरेगा से SC/ST का भी कल्याण हुआ है।
6. यह योजना व्यक्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करती है।

3.0 मनरेगा की समस्या

1. **पर्याप्त धन का अभावः–** इस योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए आवश्यक है। धन का पर्याप्त होना परन्तु सरकार के पास इसके लिए पर्याप्त धन नही है।[5]
2. मजदूरी भुगतान में देरी–मजदूरों को समय पर मजदूरी नहीं मिल पाती ये भी मजदूरों की समस्या है।
3. **मजदूरी दर कम है–** मजदूरों को मिलने वाला धन भी काफी कम है। कई राज्य तो न्यूनतम मजदूरी से भी काफी कम दर पर मजदूरी देते हैं।
4. भ्रष्टाचार – अनेक राज्यों में जाली अकाउंट बनाकर धन पास करा रहे है। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

4.0 कॉरोना काल व मजदूर

कॉरोना की समस्या न केवल भारत के लिए अपितु सम्पूर्ण विश्व के लिए एक समस्या है। इस आपदा से सभी वर्गों को प्रभावित किया गया है। परन्तु इसमें गरीब मजदूर सबसे ज्यादा प्रमाणित किया गया। क्योंकि इसकी आजीविका का आधार इसकी मजदूरी हैं जो उसको घर से बाहर ही मिल सकती है। परन्तु कॉरोना से बचाव केवल घर पर ही है। अतः इस कारण से भारत के प्रत्येक शहर से मजदूरों का पलायन हो रहा है गांव की ओर। अनेक व्यक्ति आत्महत्या करनी पड़ी। अनेक व्यक्ति बेरोजगार हो गये।

5.0 भारत सरकार व मजदूर व कॉरोना

कॉरोना के कारण चीन (Hong Kong) से अनेक कम्पनियाँ दूसरे देशों में जाने लगी। इस कारण से भारत में भी इन कम्पनियों को अपने यहां पर स्थापित करने का प्रयास किया गया। परन्तु भारत इसमें ज्यादा सफल नहीं हो सका इस कारण से भारत के अनेक मजदूर गांव की ओर पलायन करने लगे। भारत सरकार ने इन मजदूरों के लिए अनेक घोषणा की। जैस–

1. दीपावली तक सबको मुफ्त राशन।
2. एक देश एक राशन कार्ड जारी किया जिसके तहत सब मजदूर अपने गांव में राशन ले सकते है।
3. मजदूरी दर से वृद्धि की गई जो पहले अब

6.0 निष्कर्ष

कोविड–19 के कारण मजदूर वर्ग को अनेक समस्या का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने इनकी समस्या का समाधान का प्रयास किया हैं परन्तु अब भी इनकी समस्या अब भी बनी हुई है। अब ओर भी सुधार की आवश्यकता है।

7.0 संदर्भ

1. https://byjus.com/free-ias/prep/mgnrega/
2. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/a-mindset-problem
3. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/a-mindset-problem
4. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/a-mindset-problem
5. https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-news-editorials/a-mindset-problem